29-11-2018

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 29 नवंबर 2018 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल के तत्वावधान में इसके निदेशक डॉ0 विनोद जैन के द्वारा आयोजित द्वितीय दो दिवसीय **"Soft Skill Course For Health Proffesionals"** का समापन अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में स्थित सॉफ्ट स्किल इंस्टीट्यूट में सम्पन्न हुआ। इस कोर्स में 30 प्रतिभागियों को **Soft Skill** के विभिन्न आयामों की जानकारी प्रयोगात्मक विधि द्वारा दी गई।

इस अवसर पर प्रोफेसर अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि क्रोध से स्वयं का ही नुकसान होता है और क्रोध आने पर हमलोग अनावश्यक क्रियाएं करते हैं, जो न केवल अपने हित में होती हैं औन न ही दूसरों के हित में । इस कार्यशाला में क्रोध पर किस प्रकार से काबू पाए इसको लेकर विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल के निदेशक डॉ0 विनोद जैन ने प्रोफेशनलिज्म एवं एथिक्स विषय पर सूक्ष्म एवं व्यवहारिक जानकारी देते हुए बताया कि एक सच्चे प्रोफेशनल व्यक्ति को अपने विधा का सम्पूर्ण ज्ञान तथा उसके प्रयोग की त्रुटिहीन की जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ ही उसका व्यवहार विनम्र, उसकी विश्वसनीयता निसंदेह तथा उसमें सदैव सीखने की ललक होना अति आवश्यक है। उन्होंने कुल्हाड़ी–पेड़ का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार से पेड़ काटने के लिए कुल्हाड़ी पर धार देना जरूरी होता है। चिकित्सा सेवा में नित नई विधाओं का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए सदैव प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लेना आवश्यक है।

कार्यशाला के दूसरे एवं अंतिम दिन डॉ0 भूपेन्द्र सिंह ने अपने अंदर छुपे हुए गुणों की पहचानने की विधि तथा उनको स्वयं के हित तथा जनहित के लिए परिवर्तित करने की विधि सीखाई।

कार्यशाला के समापन सम्बोधन में इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल के निदेशक डॉ0 विनोद जैन ने सभी प्रतिभागियों को अपने अंदर लीडरशिप होने की आवश्यकता बताते हुए लीडरशिप, लीडर के गुण तथा टीम वर्क में काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला को लाभकारी बताया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।